सुविधा | देश को कई योजनाओं में अपना मॉडल दे चुके बिहार ने इस वर्ष पुल निर्माण में भी कीर्तिमान रचा, औंटा-सिमरिया छह लेन पुल देश का सबसे चौड़ा पुल इस वर्ष हुआ चालू

कीर्तिमान : बिहार ने देश को दिया नदी पर सबसे चौड़ा पुल

अलविदा 2025

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। देश को कई योजनाओं में अपना मॉडल दे चुके बिहार ने इस वर्ष पुल निर्माण में भी कीर्तिमान रचा। पटना और बेगूसराय के बीच गंगा नदी पर बने औंटा-सिमरिया छह लेन पुल इस वर्ष 22 अगस्त को चालू हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ संयुक्त रूप से इस पुल का उद्घाटन किया था। इस पुल की खासियत यह है कि यह पुल छह लेन होने के साथ ही देश का सबसे चौड़ा पुल भी है। आम तौर पर छह लेन पुल की चौड़ाई 29.5 मीटर होती है। लेकिन बिहार में बने औंटा-सिमरिया पुल की चौड़ाई 34 मीटर है। देश के सबसे अधिक चौड़े इस पुल पर अधिक संख्या में वाहन आ-जा सकेंगे। यह एक्सपेंशन केबल ब्रिज है। ऐसे में इस पुल के नीचे से मालवाहक जहाजों का परिचालन भी आसानी से हो सकेगा। यह 18 पिलरों पर आधारित है। दोनों ओर 3-3 लेन की सड़क है। औंटा की ओर 100 मीटर चौड़ा रोटरी (जीरो माइल) तथा सिमरिया की ओर 80 मीटर चौड़ा रोटरी बनाकर उसे पार्क का स्वरूप दिया गया है। इस पुल के बनने से दक्षिण बिहार से उत्तर बिहार के जिलों में बालू, गिट्टी सहित अन्य निर्माण व खाद्य सामग्री को लाना-ले जाना आसान हो गया। नया पुल उत्तर बिहार (बेगूसराय, सुपौल, मधुबनी, अररिया आदि) और दक्षिण बिहार (पटना, शेखपुरा, नवादा, लखीसराय आदि) के बीच यात्रा करने वाले भारी वाहनों के लिए 100 किमी तक की दूरी कम कर दिया। यह पुल प्रसिद्ध तीर्थ स्थल सिमरिया धाम, जो प्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह दिनकर का जन्मस्थान भी है, उसे बेहतर संपर्क प्रदान कर रहा है। दूरी और समय कम लगने के कारण लोगों को अधिक पैसे देने पड़ रहे थे। औंटा-सिमरिया पुल के कारण अब दक्षिण बिहार से उत्तर बिहार के लोगों को कम पैसे में ही आवश्यक सामान मिल रहे हैं। इसके निर्माण पर 1871 करोड़ खर्च हुए हैं। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आरा की जनसभा में बिहार के लिए घोषित सवा लाख करोड़ के विशेष पैकेज में औंटा-सिमरिया पुल की घोषणा की थी।

22 अगस्त को पीएम नरेन्द्र मोदी ने पुल का किया था औपचारिक उद्घाटन

34 मीटर है औंटा-सिमरिया एक्सपेंशन केबल पुल की चौड़ाई

18 पिलरों पर आधारित पुल पर 1871 करोड़ खर्च हुए हुए हैं

बेगूसराय के बीच गंगा नदी पर बना औंटा-सिमरिया छह लेन पुल।

कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल हुआ पूरा

गंगा नदी पर पटना जिले में कच्ची दरगाह से बिदुपुर के बीच छह लेन पुल बन रहा है। इस वर्ष इसका पहला स्ट्रेच कच्ची दरगाह से राघोपुर के बीच बनकर तैयार हो गया। पटना से सटे होने के बावजूद घंटों में पटना पहुंचने वाले राघोपुर निवासी अब महज पांच-सात मिनट में ही पटना आ-जा रहे हैं। यह पहला स्थायी पुल है जो राघोपुर को राजधानी पटना से जोड़ा। लगभग 19 किमी लंबी इस परियोजना में 9.76 किमी का हिस्सा गंगा नदी पर बना एक्स्ट्रा डोज्ड केबल स्टे ब्रिज है। इसकी चौड़ाई 32 मीटर है।

पटना-गया-डोभी का काम भी हुआ पूरा

लगभग एक दशक से पटना-गया-डोभी चार लेन सड़क का काम चल रहा था। यह इस वर्ष बनकर तैयार हो जाने से लोग पटना से गया अधिकतम दो घंटे में आ-जा रहे हैं। इसी तरह गोपालगंज एलिवेटेड, बख्तियारपुर-मोकामा और एररिया-मोहनिया चार लेन सड़क का काम भी इसी वर्ष बनकर पूरा हुआ।